की थी उन्हें विरचनाओं के मुख्यालयों में जाने की ही अनुमति दी गई थी ।

बंगलादेश के रक्षा सलाहकार कर्नल एम० अतीकुर रहमान , ने 22 से 26 सितम्बर 1977 तक श्रीनगर और जम्मू की यात्रा की थी । उन्हें विरचनाओं के मुख्यालय में जाने की ही अनुमति दी गई थी ।

उपर्युक्त सूचना वर्ष 1977 के बारे में है ।

मद्रास में फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों का उत्पादन

2065. **श्री यादवेन्द्र दत्त** : क्या **परमाणु ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मद्रास के समीप कलपक्कम में फ्रांस के सहयोग से फास्ट ब्रीडर रिऐक्टरों का उत्पादन किया जा रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो जिन शर्तों पर सहायता दी जा रही है उनका संक्षिप्त ब्यौरा क्या है ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) मद्रास के समीप कलपक्कम में फ्रांस के सहयोग से एक फास्ट ब्रीडर टैस्ट रिऐक्टर बनाया जा रहा है ।

(ख) इस रिऐक्टर का डिजायन बनाने, इसका निर्माण करने और इसे चलाने का उत्तरदायित्व मूल रूप से परमाणु ऊर्जा विभाग का है । इस रिऐक्टर के लिए तकनीकी सहायता फ्रांस के परमाणु ऊर्जा आयोग के सहयोग से प्राप्त की गई है । इस सहायता के अंग हैं:—

(i) फ्रांस के परमाणु ऊर्जा आयोग के साथ, जिस ने रिऐक्टर-तंत्रों के डिजायन और उस के लिए आवश्यक कच्चे माल तथा बड़े उपस्करों की विनिर्दिष्टियां दी हैं, तकनीकी तंत्रों के सम्बन्ध में परामर्श करने के लिए करार;

(ii) भारतीय फर्मों द्वारा फ्रांस की कुछ औद्योगिक फर्मों से रिऐक्टर के प्रमुख संघटकों के निर्माण के लिए जानकारी का आयात ; और

(iii) फ्रांसीसी विशेषज्ञों द्वारा एक ऐसी फ्रांसीसी फर्म के जरिए विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में सहायता देना, जिस ने फ्रांस के फास्ट रिऐक्टरों के निर्माण के संबंध में परामर्शदाता के रूप में काम किया था ।

बड़े भूस्वामियों से आग्नेय शस्त्रों के लाइसेंसों का वापस लेना

2066. **श्री ईश्वर चौधरी :**
श्री सी० के० जाफर शरीफ :

क्या **गृह** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रक्षा मंत्री ने यह सुझाव दिया है कि बड़े भूस्वामियों को अपने पास आग्नेय शस्त्र रखने के लाइसेंसों को वापस ले लिया जाये क्योंकि इनका उपयोग किसी लाभदायक उद्देश्य की पूर्ति की बजाय निर्धन हरिजनों और अन्य पिछड़े वर्गों को दबाने के लिये किया जाता है ; और

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मण्डल) : (क) जी हां, श्रीमान् ।